

सं. ७७.७. सं-७५/१८ कृष्ण सं. ५ संख्या

२९.५.१८

बहुलाप डी.। अर्थात् की कृत
कृष्ण विस्वा विवेचन के साथ खातिर
की जा चुकी है, के कृष्ण अतुत
प्रसन्नता पत्र भी खातिर लिख जाग है
पत्रावली फेकल सुभाह है नेक से कत
होकर दाखिल दफ्तर है



अपर कलेक्टर, नागौर